प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर 331 401

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

बुच्चा निवास पर प्रवचन

आचार्य महाप्रज्ञ की द्वितीय मासिक पुण्य तिथि

व्यक्ति अंतरमुखी बने : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 8 जुलाई, 2010

मनुष्य वृद्ध हो गया है, चेहरे पर झुर्रियां आ गई, वृद्ध लाठी के सहारे चलता है तो भी उसके मन में लालसा बनी रहती है। काम भोग का सेवन करने वाले के भीतर कामना है तो उसे मरने के बाद दुरगति प्राप्त होती है, जो व्यक्ति साधना करता है उसका जीवन अपने आप में धन्य हो जाता है। जीवन में आचार नहीं आया तो पवित्रता में कमी रह जाती है। अहंकार, ममकार, मोहरूपी सेना के सेनापति है, इनका परित्याग साधना की सिद्धि होती है।

उक्त विचार आचार्यश्री महाश्रमण ने बुच्चा निवास पर उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

मन में कभी भावना आसक्ति की बनी रह जाती है, बपचपन में व्यक्ति का मुंह मां की ओर होता है, यौवन में जब शादी हो जाती है तो मुख पत्नी की और जब वृद्ध हो जाता है तो उसका मुख पोते-पोतियों की तरफ रहता है किंतु उसका मुख अंतरमुख नहीं बना, अपनी आत्मा के प्रति नहीं रहता। साधना का मार्ग अपनी ओर देखना है। दुनिया का नियम है कोई स्थायी नहीं है इसलिए मनुष्य का जितना जीवन काल है उसका अच्छा उपयोग करने का प्रयास करना चाहिए।

आचार्यश्री महाश्रमण ने यह भी कहा कि जीवन को ऐसे आभूषणों से आभूषित करें कि उसका कल्याण हो उन्होंने मुख आ आभूषण मृदु बोलना, सत्य बोलना बताया, कान का आभूषण गुरुओं की वाणी को आध्यात्मिक प्रवचन सुनना, हाथ का आभूषण दान है।

आचार्यश्री महाश्रमण ने आचार्य महाप्रज्ञ की द्वितीय मासिक पुण्य तिथि (आषाढ़ कृष्णा एकादशी) पर उनके संस्मरणों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ ने वात्सल्य, करुणा, दया, अनुकंपा का भाव था। उन्होंने अपना पूरा जीवन साधना में बिताया।

इस अवसर पर मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुत विभा, समणी प्रसन्नप्रज्ञा ने आचार्य महाप्रज्ञ के संस्मरणों को प्रस्तुत किया।

ज्योतिषाचार्य मोहनलाल माथुर ने अपने विचार व्यक्त किये। चेन्नई के पक्षी तीर्थ से प्रसिद्ध तिरूकलीकुण्डरम से समागत ज्ञानशाला के बच्चों ने अपनी भावनाएं गीत के द्वारा व्यक्त की। इस अवसर पर बालोतरा से आए संघबद्ध रूप से आचार्यश्री महाश्रमण के लंबे प्रवास की अर्ज की तथा गीत के द्वारा अपनी भावनाएं व्यक्त की।

शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)